भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

**मौखिक प्रश्न सं. +*187**

सोमवार, 2 अगस्त, 2021/11 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**एमआईसीई के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति**

**+*187. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:**

**श्रीमती चिंता अनुराधा:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों (एमआईसीई), जो व्यवसाय पर्यटन का एक महत्वपूर्ण खंड है, के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति अपनाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में व्यवसाय पर्यटन के इस एमआईसीई खंड के वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस प्रकार के पर्यटन के लिए विदेश या बाहर जाने वाले भारतीयों का अनुपात कितना है और और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

एमआईसीई के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति के संबंध में दिनांक 02.08.2021 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*187 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने मौसम संबंधी पहलुओं से निपटने और वर्षपर्यंत गंतव्य के रूप में भारत के संवर्धन के लिए बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन तथा प्रदर्शनी (एमआईसीई) को एक निश पर्यटन उत्पाद के रूप में अभिज्ञात किया है।

भारत को विश्व में एम आई सी ई गंतव्य और मेगा सम्मेलनों तथा प्रदर्शनीयों के एक हब के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने 'एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तथा रोडमैप' का प्रारूप तैयार किया है । इस कार्यनीतिक दस्तावेज में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभ हैं :

i. एमआईसीई के लिए संस्थागत सहायता
ii. एमआईसीई के लिए इको सिस्टम तैयार करना
iii. भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करना
iv. एमआईसीई आयोजनों के लिए व्यवसाय करने की सरलता में सुधार करना
v. एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत की मार्केटिंग करना
vi. एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

इस दस्तावेज़ को और अधिक व्यापक बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनो और उद्योग जगत के हितधारकों से राष्ट्रीय कार्यनीति एवं रोडमैप के प्रारूप के संबंध में प्रतिक्रिया/टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए हैं।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2019 में एक पेशेवर एजेंसी के द्वारा 'भारत में एम आई सी ई बाजार और एमआईसीई पर्यटन उत्पादों के संवर्धन में आईसीपीबी की भूमिका' के बारे में अध्ययन करवाया था। इस अध्ययन की रिपोर्ट में वैश्विक एमआईसीई उद्योग में भारत का हिस्सा 0.96 प्रतिशत आकलित किया गया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय द्वारा आउटबाउंड एमआईसीई पर्यटन से संबंधित डाटा का संग्रहण नहीं किया जाता है।

*****